ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 2037 **Mobile Number :** 9375733672 **Receipt No. :** S2983
Member Name : सा.रत्नचूलाश्रीजी **Total Issued :** 153
Address : व्यंकटेश एपार्टमेन्ट पासे,एनीबेसन्ट होल पासे,सोनीफळीया सुरत
Issue Date : 11/03/2025 **Last Date :** 09/06/2025

Sr No.	Vargank No.	Kruti Name	Notes
1	SA04917	प्राकृत व्याकरणम्-अध्याय-8	
2	SA04929	प्राकृत व्याकरण (सिद्धहेम शब्दानुशाससननो)	
3	SA09852	नवपद उपासना	
4	SA02552	नवपदना उपासको श्रीपाळ अने मयणा	
5	SA29152	श्री सिद्धचक्र (पाक्षिक)(वर्ष-2)	
6	SA03933	जैन रामायण (भाग-1)	
7	SA02087	जैन रामायण (भाग-2)	

SA04917

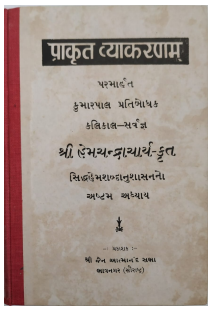

SA04929

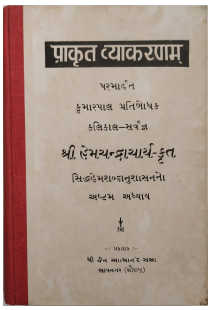

SA09852

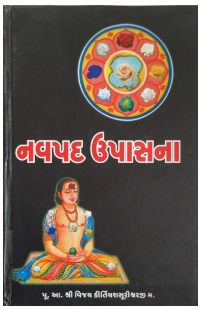

SA02552

SA29152

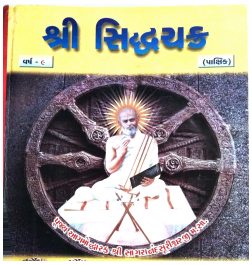

SA03933

SA02087

SA - पुस्तक विभाग, पाल ज्ञानभंडार, सुरत

Book Received By

Book Issue By

संस्थाना नियमो :
1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु करावबु अनिवार्य छे.
3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किमत करता वधु होई शके छे.